भारत से बेहतर होता बांग्लादेश

लेखक - स्वाति नारायण
(अध्येता, इन्स्टिटूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

14 फरवरी, 2020

"बांग्लादेश के बेहतर विकास संकेतकों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि भारत में बांग्लादेश से आने वाले प्रवासियों के लिए लगाये जा रहे कयास निराधार हैं।"

अभी हाल ही में एक केंद्रीय मंत्री ने 9 फरवरी को यह आरोप लगाया कि, "यदि नागरिकता की पेशकश की जाती है तो बांग्लादेश का आधा हिस्सा भारत में आ जाएगा।" लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। इस वर्ष बांग्लादेश की आर्थिक विकास दर भारत से आगे निकल गई है। पिछले एक दशक में, सामाजिक विकास संकेतकों की एक सीमा पर शिशु मृत्यु दर से टीकाकरण तक, बांग्लादेश ने बेहतर प्रदर्शन किया है। क्रिकेट पिच पर भी बांग्लादेश ने जूनियर विश्व कप में भारत को हराया, तो अब सवाल उठता है कि आखिर इन सब उपलब्धियों के बाद बांग्लादेश के लोग अपनी पोषित मातृभूमि को क्यों छोड़ना चाहेंगे?

निस्संदेह, आर्थिक उदारीकरण के बाद से भारतीय बांग्लादेशियों की तुलना में अधिक समृद्ध हुए हैं, लेकिन जीवन की गुणवत्ता के मामले में हमारे पड़ोसी ने भी बड़े पैमाने पर हमें मात देते आये हैं। भारत कई (सभी नहीं) समग्र वैश्विक ग्लोबल हंगर इंडेक्स से लेकर जेंडर डेवलपमेंट इंडेक्स में पीछे रहा है। 2019 के वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स पर भी बांग्लादेश ने बेहतर स्कोर किया है। हालाँकि, तकनीकी रूप से मानव विकास सूचकांक पर, बांग्लादेश का स्कोर थोड़ा कम है, जो इस वजह से है क्योंकि सूचकांक आय और गैर-आय मापदंडों को भी अपने मापदंड में शामिल करता है।

मेरे (लेखक) हाल के डॉक्टोरल थीसिस ने इस दक्षिण एशियाई पहेली को ठीक से समझने की कोशिश की है। सामाजिक विकास में भारत के गरीब पड़ोसी देश कैसे आगे रहे हैं? बांग्लादेश के मामले में, सबसे प्रमुख कारक देश की सार्वजनिक सेवाओं में निरंतर निवेश और सामाजिक तथा लैंगिक दूरी को कम करने के लिए असमानताओं को दूर करना रहा है, जिसमें से पहला है स्वास्थ्य सेवा।

अस्सी के दशक तक, भारतीय अधिकांश दक्षिण एशियाई लोगों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहे। लेकिन अब, गरीब होने के बावजूद जन्म के समय एक औसत बांग्लादेशी बच्ची चार साल और जीने की उम्मीद कर सकता है। इसके अलावा, पांचवें साल से पहले मर जाने वाले बांग्लादेशी बच्चों की संख्या भी बहुत कम है। इस सफलता का सूत्र अपेक्षाकृत सरल रहा है। 2009 के बाद से सरकार ने प्रत्येक तीसरे गाँव में अच्छी तरह से स्टॉक किए गए "सामुदायिक क्लीनिक" का निर्माण किया है। इसके अलावा, चार दशकों से सरकारी स्वास्थ्य कर्मियों के प्रतिबद्ध कैडरों ने अपने घरों में महिलाओं को दवा और परिवार नियोजन प्रदान किया है।

दूसरा, शिक्षा के मोर्चे पर भले ही भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश हो, बांग्लादेश ने युवा साक्षरता में मामूली लाभ हासिल किया है। इसके अलावा, आय वर्ग में बांग्लादेशी लड़कियों को लड़कों की तुलना में अधिक शिक्षा की प्राप्ति होती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पंचगढ़ जिले में बांग्लादेश के कक्षा पहली के बच्चों का भारतीय औसत से बेहतर पठन कौशल था। 44 बांग्लादेशी स्कूलों में, शिक्षक अनुपस्थिति निम्न स्तर पर थी।

इसके अलावा, सरकार सरकारी, गैर-सरकारी (एनजीओ) और मदरसा संचालित स्कूलों में मुफ्त पाठ्यपुस्तकें प्रदान करती है, जो अकादमिक वर्ष की शुरुआत में बिना किसी देरी से शुरू की जाती है, जो भारत में काफी विलंब से शुरू होती है।

अर्थशास्त्री जीन द्रेज (Jean Drèze) ने भारत को सामाजिक स्तर पर विश्व चैंपियन के रूप में वर्णित किया है। इसके विपरीत बांग्लादेश ने नब्बे के दशक के बाद से एक गरीब पड़ोसी होने के बावजूद शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर सरकारी व्यय का एक बड़ा हिस्सा खर्च किया है। इन निरंतर निवेशों के फलस्वरुप ही बांग्लादेश को समृद्ध लाभांश प्राप्त हुआ है।

तीसरा, पोषण के मोर्चे पर भी बांग्लादेश की स्थिति भारत से बेहतर है। जनसांख्यिकीय स्वास्थ्य सर्वेक्षणों के अनुसार भारत के 36 प्रतिशत की तुलना में 30 प्रतिशत बांग्लादेशी बच्चे कम वजन के हैं। इसी तरह, भारतीय बच्चों का अधिक अनुपात भी स्टन्टिंग (उम्र के हिसाब से लंबाई का ना बढ़ना) से ग्रसित है। इसके अलावा, भारत में अमीर और गरीब के बीच असमानता अधिक है। कुछ साल पहले बांग्लादेशी सरकार ने गैर-सरकारी संगठनों की मदद से "पुष्टी अपास" (पोषण बहनें) के एक अद्वितीय कैडर को रखा, जो अपने सामाजिक प्रयासों में घर-घर गए। शाकाहारी भोजन पर भारतीय पोषण अभियान के विपरीत, वे माताओं को, बढ़ते शिशुओं को मछली, मांस और अंडे के साथ संतुलित आहार खिलाने के लिए माताओं को पढ़ाने से नहीं कतराते।

चौथा, कम से कम 80 प्रतिशत बांग्लादेशी घरों में शौचालय थे, भले ही वो अल्पविकसित हो। 2016 तक, 96 प्रतिशत घरों और 80 प्रतिशत स्कूलों में उचित स्वच्छता थी। स्वच्छता पर विशेष इस्लामी जोर के अलावा, स्थानीय सरकारें न केवल गरीब परिवारों को मुफ्त में सीमेंट रिंग प्रदान करती हैं, बल्कि वे नियमित रूप से सामुदायिक समूह चर्चा, मस्जिद, मास मीडिया और स्कूलों के माध्यम से भी संदेश फैलाते हैं। स्थानीय उद्यमियों ने प्लास्टिक पैन के नवाचार के साथ, सबसे सस्ते शौचालयों की कीमत चीनी मोबाइल फोन से भी कम सुनिश्चित किया है।

इसके अलावा, बांग्लादेशी महिलाएँ भी मुखर हो रही हैं। भारत महिलाओं श्रम में गिरावट के विपरीत बांग्लादेशी महिलाओं में उच्च श्रम शक्ति की भागीदारी है। शहरी रेडीमेड परिधान क्षेत्र के अलावा, हजारों ग्रामीण महिलाएँ कृषि-प्रसंस्करण चाय कारखानों, जूट मिलों, पोल्ट्री और डेयरी उद्योगों में काम करती हैं। हर सुबह साड़ियों में महिलाओं को इन कारखानों की ओर देखा जा सकता है, जिसमें उनकी हाथों में स्टील का लंच डब्बा होता हैं।

इसकी तुलना में, भारत 45 वर्षों में सबसे खराब बेरोजगारी के स्तर के साथ जूझ रहा है और आर्थिक विकास दर कम हो रहा है। सरकार को अपने नीतियों पर बहुत ध्यान देना चाहिए। नागरिकता संशोधन अधिनियम के आलोक में अवैध प्रवासियों के झूठे दलदल से हमारे पड़ोसियों को परेशान करना, एक अनुचित इस्लामोफोबिक विकर्षण के अलावा और कुछ नहीं है। इसके बजाय भारत सरकार के लिए बेहद प्रभावशाली होगा कि वह प्रभावशाली ढंग से "शोनार बांग्ला" से नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के दक्षिण एशियाई सफलता का नुस्खा सीखे।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वर्तमान में बांग्लादेश दक्षिण एशिया में सबसे तीव्र आर्थिक विकास दर वाला देश है।
2. मानव विकास सूचकांक के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है।
3. पोषण अभियान का उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग किए बिना सेवा वितरण और हस्तक्षेप सुनिश्चित करना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) 1 और 2 (b) केवल 2

(c) 2 और 3 (d) केवल 3

Expected Questions (Prelims Exams)

Q. Consider the following statements:

1. Bangladesh is currently the country with the fastest economic growth rate in South Asia.
2. Bangladesh is ahead of India in terms of Human Development Index.
3. The purpose of the Poshan Abhiyaan is to ensure service delivery and intervention without using technology.

Which of the above statements is / are incorrect?

(a) 1 and 2 (b) Only 2

(c) 2 and 3 (d) Only 3

नोट : 13 फरवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (a) होगा।

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. 'पिछले कुछ वर्षों में सामाजिक एवं आर्थिक संकेतकों में बांग्लादेश का प्रदर्शन भारत से बेहतर रहा है।' इस कथन को उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए। (250 शब्द)

"Bangladesh's performance in social and economic indicators has been better than India in the last few years." Explain this statement with the help of examples. (250 words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।